पंजीयन क्रमांक 2672 दिनांक 07.03.72 दूरभाष / फैक्स क्रमांक 0761–2426110

सरस्वती शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश

egkdk'ky ikUr

ujfl g efnj d ihN] 'kkL=h iy tcyij & 482001

www.vidyabhartimahakoshal.org

Email-parishadjbp@gmail.com

fo|k Hkkjrh vf[ky Hkkjrh; f'k{kk lLFkku l lc)

पत्र क्र. **746**/2017–18 दिनांक 17.01.2018

प्रति,

प्राचार्य एवं प्रधानाचार्य
सरस्वती शिशु मंदिर
हाईस्कूल/उच्च.माध्य.विद्यालय
महाकोशल प्रांत

fo"k; %& ekrHkk"kk xkjo tkxj.k lIrkg fnukd 21 l 27 Qjojh 2018 A

0–0–0

महोदय,

विद्यार्थी के भावात्मक विकास का सर्वोत्तम साधन मातृभाषा है तथा भावात्मक विकास उसके चरित्र निर्माण का आधार है। मातृभाषा का प्रेम हमें अपनी भूमि से प्रेम करना सिखाता है। तथा मातृभाषा का प्रयोग हमें अपनी संस्कृति को समझने तथा उसके अनुरूप अपने जीवन को ढालने का अवसर प्रदान करता है। अत्यंत गौरव का विषय है कि दिनांक 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र संघ में पारित किया गया है।

मातृभाषा के गौरव जागरण के लिए दिनांक 21 से 27 फरवरी 2018 तक मातृभाषा गौरव जागरण सप्ताह के रूप में मनाए जाने का विशेष आग्रह है। विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर निम्नलिखित संकल्प पारित करावें –

1. अपने हस्ताक्षर अपनी मातृभाषा में करें।
2. अपने घर, कार्यालय एवं विद्यालय की नाम पट्टिका मातृभाषा में ही लिखें।
3. 'इंडिया' के स्थान पर ***Hkkjr*** का प्रयोग करें।
4. कार्यक्रमों एवं समारोहों के आमंत्रण पत्र मातृभाषा में छपवाएँ।
5. समस्त प्रकार के पत्र व्यवहार मातृभाषा में ही करें।
6. शुभकामनाएँ लिखने या व्यक्त करने में मातृभाषा का प्रयोग करें।
7. पारिवारिक एवं सामाजिक संबोधन सदैव मातृभाषा में करें।
8. मातृभाषा माध्यम की पत्र–पत्रिकाएँ मंगाएँ।
9. मातृभाषा के शुद्ध रूप को बिगाड़ने वाले नियामकों का यथाशक्ति विरोध करें।
10. यथासंभव अंग्रेजी नामों के संक्षिप्तीकरण से बचें।
11. मातृभाषा बोलने के लिए सदैव दूसरों को प्रेरित करें।

¼ MkO lrk"k vof/k;k ½
प्रादेशिक सचिव